English

Powered by Go are Translate (https://translate.google.com)



Manoj, Sonipat, Haryana (HR) (Otherpost.Aspx?By=138878) 08/02/2025 09:40 AM

The presentation going on in the folk festival is very good and awakens the culture - Prof. Shweta Singh

Assistant Director of North Zone Cultural Center Patiala, Ravinder Sharma, participated as the chief guest in the three-day Lok Kala Utsav program organized jointly by Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya Khanpur Kalan, Dharmputra Kala Manch and Haryana Kala Parishad under the Kala Vikas Yojana of the Ministry of Culture, Government of India and in collaboration with the North Zone Cultural Center, Patiala.

Addressing the students, Ravinder Sharma said that our culture is our heritage. It is our responsibility to keep it alive. It is important for the coming generations to know about their heritage. He said that cultural activities are very important along with studies. Students should be involved in some or the other activity. This develops personality and brings a sense of equality.

On this occasion, Dean of Student Welfare, Prof. Shweta Singh said that the kind of presentation going on in the folk festival organized in the university is very good and awakens the culture. Today, in the era of DJ, singing with traditional means revives our culture. He urged the students and said that along with studies, proficiency in cultural arts can also be achieved. And can be adopted as a profession.

On this occasion, Co-Dean of Student Welfare Dr. Monika and President of Dharmaputra Kala Manch Manoj Jaale were also present.

Photo Caption:- 03. Dean of Student Welfare Prof. Shweta Singh presenting a memento to Assistant Director Shri Ravinder Sharma.

04 & 05. Artists giving their performance.



Sanskrit is our ancient language - Prof Sudesh

A detailed lecture was organized today in the Sanskrit Department of Bhakta Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya Khanpur Kalan for the knowledge enhancement of the girl students. In which retired Prof. Rajeshwar Prasad Mishra of Kurukshetra University was present as a subject expert. Head of the Department Dr. Shrilekha Choubey welcomed and greeted the keynote speaker. Prof. Rajeshwar Prasad Mishra gave a lecture on the topic 'Utility and importance of Aranyaka and Upanishad texts in Vedic literature' for the postgraduate (first year) students. He made the students aware of the characteristics of Vedic literature.

Prof. Mishra also threw light on the difference between the Brahman and Aranyaka texts in terms of subject matter and explained the word 'Brahma' in detail. In the tradition of Upanishads, the subject matter of both Ishopanishad and Kathopanishad was explained separately and the similarities and differences between them were clarified. In his lecture, he explained in great depth the Vidya-Avidya, Sambhuti-Asambhuti, Yamraj-Nachiketa Aakhyan, nature of soul and mystery of death.

On this occasion, the Chairman of Language and Arts Faculty Dr. Ashok Verma was also present. He inspired the students to adopt the Aryan culture described in ancient Indian texts and the special knowledge contained in them and to put it into practice.

Vice Chancellor Prof. Sudesh has approved a committee of eight eminent scholars for the newly established Sanskrit Department, who come from time to time and increase the knowledge of the students on various aspects of Sanskrit literature. The Vice Chancellor wished the students for a bright future.

Photo Caption: - 01 Prof. Rajeshwar Prasad Mishra and Dr. Shri Lekha Choubey with the students of Sanskrit Department.



The First Update's Post

The First Update

The First Update-

खानपुर कर्ला - भक्त फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय खानपुर कर्ला के संस्कृत विभाग में छात्राओं के ज्ञानवर्धन के लिए आज एक विस्तृत व्याख्यान का आयोजन किया गया । जिसमें कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रो॰ राजेश्वर प्रसाद मिश्र विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित हुए। विभागाध्यक्ष डॉ श्रीलेखा चौबे ने मुख्य वक्ता का स्वागत एवं अभिनंदन किया। प्रो राजेश्वर प्रसाद मिश्र ने स्नातकोत्तर (प्रथम वर्ष) की छात्राओं के लिए 'वैदिक साहित्य में आरण्यक एवं उपनिषद ग्रन्थों की उपयोगिता एवं महत्व 'विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने छात्राओं को वैदिक साहित्य की विशेषताओं से अवगत कराया। प्रो॰ मिश्र ने ब्राह्मण एवं आरण्यक ग्रन्थों का विषय वस्तु की दृष्टि से भेद पर भी प्रकाश डाला एवं 'ब्रह्म ' शब्द की विस्तार से व्याख्या की। उपनिषदों की परम्परा में ईशोपनिषद एवं कठोपनिषद दोनों के वर्ण्य विषय को अलग समझाते हुए उनमें साम्य एवं वैषम्य को स्पष्ट किया। उन्होंने अपने व्याख्यान में विद्या - अविद्या, सम्भूति - असम्भूति , यमराज - नियकेता आख्यान , आत्मा के स्वरूप एवं मृत्यु के रहस्य को बडी गहनता से स्पष्ट किया।

इस अवसर पर भाषा एवं कला संकाय के अध्यक्ष डाँ० अशोक वर्मा भी उपस्थित रहे उन्होंने छात्राओं को प्राचीन भारतीय ग्रन्थों में वर्णित आर्य संस्कृति एवं उनमें निहित विशिष्ट ज्ञान को ग्रहण करने एवं व्यवहार में उसे उतारने के लिए प्रेरित किया।

कुलपित प्रो॰ सुदेश ने नव स्थापित संस्कृत विभाग के लिए आठ विशिष्ट विद्वानों की सिमिति को मंजूरी दी है जो समय -समय पर आकर संस्कृत वाङ्मय के विभिन्न पक्षो पर छात्राओं का ज्ञानवर्धन करते हैं ।कुलपित ने छात्राओं को उत्तम भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं।

फोटो कैप्शन:- 01 संस्कृत विभाग के छात्राओं के साथ प्रो राजेश्वर प्रसाद मिश्र व डॉ श्री लेखा चौबे।

#thefirstupdate #Latestnews #Bpsmvkhanpurkalan #womenuniversitykhanpurkalan #India





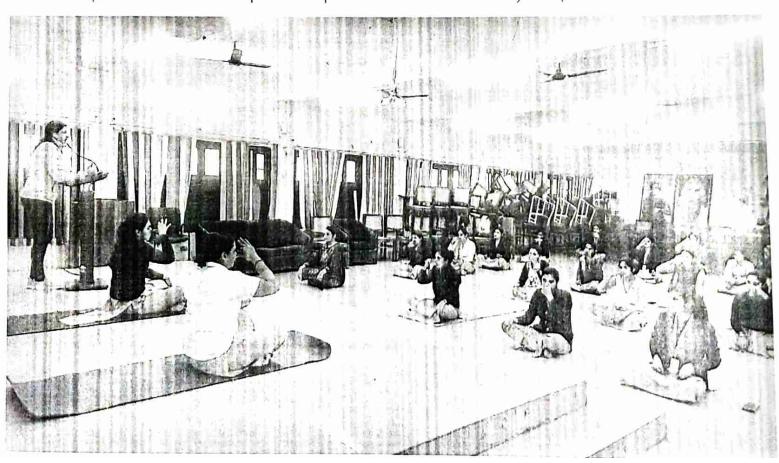
The First Update's Post

×

The First Update 2 days ago

The First Update-खानपुर कलां -8 फरवरी। 'हर घर परिवार- सूर्य नमस्कार' अभियान के अंतर्गत, भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में 3 फरवरी, 2025 से 8 फरवरी, 2025 तक 'सूर्य नमस्कार अभियान-2025' का आयोजन किया गया। विभाग में कार्यक्रम का संचालन डॉ सुशील कुमार एवं उनकी टीम के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में आयुष विभाग, गोहाना से श्रीमती प्रोमिला कौर एवं श्रीमती नीलम ने योग प्रशिक्षकों का कार्यभार संभाला। इस अभियान का उद्देश्य छात्राओं में योग के प्रति रुचि बढ़ाना और उनके शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को सशक्त बनाना था। इस कार्यक्रम में छात्राओं सहित स्टाफ सदस्यों ने भी बढ़ चढ़कर भाग लिया और प्रतिदिन योगाभ्यास किया। प्रतिदिन योग प्रशिक्षकों श्रीमती प्रोमिला कौर एवं सहायक श्रीमती नीलम के मार्गदर्शन में छात्राओं ने सूर्य नमस्कार किया। इन सत्रों के माध्यम से छात्राओं को योग का नियमित अभ्यास करने की प्रेरणा दी। इसके परिणाम स्वरुप छात्राओं में अनुशासन और फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ी। साथ ही योग को शिक्षा प्रणाली का अनिवार्य हिस्सा बनाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। योग शिक्षिका श्रीमती प्रोमिला कौर ने छात्राओं को अपने आने वाले जीवन में प्रतिदिन योगाभ्यास करने के लिए प्रोत्साहित किया। अपने संदेश में कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि योग केवल एक कार्यक्रम न होकर हमारी नित्य प्रक्रिया में शामिल होना जरूरी है। तन स्वस्थ होगा तो मन स्वस्थ होगा। उन्होंने छात्राओं से आह्वान करते हुए कहा कि आज जिस तरह योग को पूरा विश्व मान रहा है उसी तरह अपने आस पास लोगो को योग के प्रति जागरूक करें ताकि एक स्वस्थ समाज का निर्माण हो सके। कार्यक्रम के अंतिम दिवस पर छात्राओं सहित डॉ प्रिया ढींगरा, डॉ सुशील कुमार, डॉ सरला, डॉ मोनिका, डॉ रीना, डॉ पूनम एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।फोटो कैप्शन :-02 शिक्षा विभाग में योग करती छात्राएं।

#thefirstupdate #Latestnews #Bpsmvkhanpurkalan #womenuniversitykhanpurkalan #India



All India Media Association

(Under Operating By AIMAMEDIA Foundation)

English

Powered by Go of Translate (https://translate.google.com)

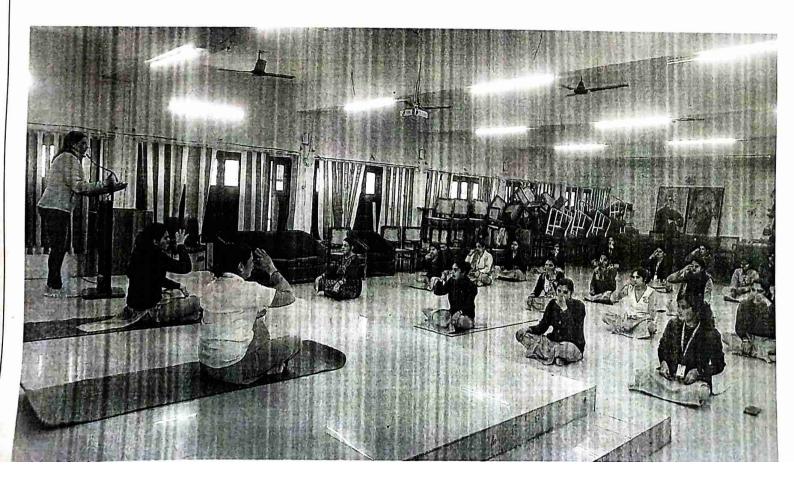


Manoj, Sonipat, Haryana (HR) (Otherpost.Aspx?By=138878) 08/02/2025 09:42 AM

If the body is healthy then the mind will be healthy - Vice Chancellor Prof Sudesh

Under the 'Har Ghar Parivar- Surya Namaskar' campaign, 'Surya Namaskar Abhiyan-2025' was organized in the Department of Education, Bhagat Phool Singh Mahila Vishwavidyalaya from 3 February 2025 to 8 February 2025. The program was conducted in the department by Dr. Sushil Kumar and his team. In the program, Mrs. Promila Kaur and Mrs. Neelam from the Department of AYUSH, Gohana took charge of yoga instructors. The objective of this campaign was to increase the interest of students towards yoga and to strengthen their physical and mental health. Staff members along with students also participated enthusiastically in this program and practiced yoga daily. Every day, the students performed Surya Namaskar under the guidance of yoga instructors Mrs. Promila Kaur and assistant Mrs. Neelam. Through these sessions, the students were inspired to practice yoga regularly. As a result, awareness of discipline and fitness increased among the students. Also, this proved to be an important step towards making yoga an essential part of the education system. Yoga teacher Mrs. Promila Kaur encouraged the students to practice yoga daily in their future life.

In his message, Vice Chancellor Prof. Sudesh said that yoga is not just a program but it should be included in our daily routine. If the body is healthy then the mind will be healthy. He appealed to the students and said that the way the whole world is accepting yoga today, in the same way make people around you aware of yoga so that a healthy society can be built. On the last day of the program, Dr. Priya Dhingra, Dr. Sushil Kumar, Dr. Sarla, Dr. Monika, Dr. Reena, Dr. Poonam and other staff members were present along with the students. Photo Caption:- 02 Students doing yoga in the education department.



छात्राओं को वैदिक साहित्य का महत्व समझाया

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विवि खानपुर कलां के संस्कृत विभाग में शनिवार को विस्तारक व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को वैदिक साहित्य का महत्व बताया गया। विषय विशेषज्ञ कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रो०. राजेश्वर प्रसाद मिश्र ने स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष की छात्राओं के लिए वैदिक साहित्य में आरण्यक एवं उपनिषद कान्थों की उपयोगिता एवं महत्व विषय पर व्याख्यान दिया और छात्राओं को वैदिक साहित्य की विशेषताओं से अवगत कराया। प्रो. मिश्र ने अपने व्याख्यान में विद्या-अविद्या, सम्भूति-असम्भूति, यमराज-नचिकेता आख्यान, आत्मा के स्वरूप एवं मृत्यु के रहस्य को बड़ी गहनता से स्पष्ट किया। विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीलेखा चौबे ने मुख्य वक्ता का अभिनंदन किया। भाषा एवं कला संकाय के अध्यक्ष डॉo. अशोक वर्मा ने छात्राओं को प्राचीन भारतीय गुन्थों में वर्णित आर्य संस्कृति एवं उनमें निहित विशिष्ट ज्ञान को ग्रहण करने एवं व्यवहार में उसे उतारने के लिए प्रेरित किया।



राधा संग फूलों की होली... 👩



संवाद

सोनीपत के बीपीएस राजकीय महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां में उत्सव के दौरान राधा-कृष्ण का रूप धरे कलाकारों के साथ होली खेलते आयोजक। >> छह राज्यों के कलाकारों ने मन मोहा पेज 04 पर...

छह राज्यों के कलाकारों ने मन मोहा

गांव खानपुर कलां स्थित बीपीएस राजकीय महिला विश्वविद्यालय में लोक कला उत्सव का आयोजन

संवाद न्यूज एजेंसी

गोहाना। गांव खानपुर कलां स्थित बीपीएस राजकीय महिला विश्वविद्यालय में धर्म पुत्र कला मंच व छात्र कल्याण अधिष्ठाता के संयुक्त तत्वाधान में लोक कला उत्सव का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम संस्कृति मंत्रालय के कला विकास योजना के अंतर्गत उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र पटियाला व हरियाणा कला परिषद के सहयोग से किया जा रहा है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के सहायक निदेशक रवींद्र शर्मा ने शिरकत की।

कार्यक्रम के दौरान छह राज्यों के कलाकारों ने हिस्सा लिया। इसमे जम्मू से डोगरी, हिमाचल से नाटी, पंजाब से भांगड़ा , हरियाणा से फाग, महाराष्ट्र से लावणी और उत्तर प्रदेश के रास नृत्य ने सभी दर्शकों का मन मोह लिया। अंत में रासलीला से उत्तर प्रदेश के कलाकारों ने बेहतर प्रस्तुति दी। लठमार होली, फूलों की होली से पूरा पंडाल ख़ुशी से झूम उठा। प्रो.



बीपीएस राजकीय महिला विश्वविद्यालय खानपुर कलां में सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देते लोक कलाकार। स्रोतः प्रवक्ता

एवेता सिंह ने कहा कि देश के विभिन्न प्रांतों की टीमों का महिला विश्वविद्यालय में होना लघु भारत का चित्रण कर रहा है। कार्यक्रम में आए कलाकारों की ओर से अपने-अपने प्रदेश की संस्कृति को बढ़ावा

देने के लिए प्रस्तुति दी जा रही है। धर्म पुत्र कला मंच के अध्यक्ष मनोज जाले ने कार्यक्रम के महत्व को बताया। मंच संचालन डॉ. श्रीलेखा चौंबे ने किया। इस दौरान नॉर्थ जोन के निदेशक फुरकान खान

व हरियाणा कला परिषद के निदेशक नागेंद्र शर्मा, सहायक छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. कृतिका दहिया, डॉ. सुमन दलाल, डॉ. मोनिका व गोहाना संस्कार भारती से दीपक, हिमांशु, सुनील भी मौजूद रहे।

छात्राओं को वैदिक साहित्य की विशेषताओं से करवाया अवगत

गोहाना, 8 फरवरी (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग में छात्राओं के ज्ञानवर्धन के लिए व्याख्यान का आयोजन किया गया। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रो. राजेश्वर प्रसाद मिश्र विषय विशेषज्ञ रहे। विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीलेखा चौबे ने अध्यक्षता की।

प्रो. मिश्र ने स्नातकोत्तर (प्रथम वर्ष) की छात्राओं के लिए 'वैदिक साहित्य में आरण्यक एवं उपनिषद ग्रंथों की उपयोगिता एवं महत्व' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने छात्राओं को वैदिक साहित्य की विशेषताओं से अवगत करवाया। मिश्र ने ब्राह्मण एवं आरण्यक ग्रंथों के विषय वस्तु की दृष्टि से भेद पर भी प्रकाश डाला एवं 'ब्रह्म' शब्द की विस्तार से व्याख्या की।

उपनिषदों की परम्परा में ईशोपनिषद एवं कठोपनिषद दोनों के वर्ण्य विषय को अलग समझाते हुए उनमें साम्य एवं वैषम्य को स्पष्ट किया। उन्होंने अपने व्याख्यान में विद्या-अविद्या, सम्भूति-असम्भूति, यमराज-निवकेता आख्यान, आत्मा के स्वरूप एवं मृत्यु के रहस्य को बड़ी गहनता से स्पष्ट किया।

भाषा एवं कला संकाय के अध्यक्ष डॉ. अशोक वर्मा ने छात्राओं को प्राचीन भारतीय ग्रंथों में वर्णित आर्य संस्कृति एवं उनमें निहित विशिष्ट ज्ञान को ग्रहण करने एवं व्यवहार में उसे उतारने के लिए प्रेरित किया।



छात्राओं ने सूर्य नमस्कार का किया अभ्यास



सूर्य नमस्कार का अभ्यास करते हुए विद्यार्थी और शिक्षक।

(अरोड़ा)

गोह्मना (अरोड़ा): 'हरघरपरिवार-सूर्य नमस्कार' अभियान के अंतर्गत बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में 3 से 8 फरवरी तक 'सूर्य नमस्कार अभियान-2025' का आयोजन किया गया। संचालन डॉ. सुशील कुमार एवं उनकी टीम ने किया।

आयुष विभाग से प्रोमिला कौर एवं नीलम ने योग प्रशिक्षक रहीं। उन के मार्गदर्शन में छात्राओं ने सूर्य नमस्कार किया। उन्होंने छात्राओं को योग का नियमित अभ्यास करने की प्रेरणा दी। छात्राओं में अनुशासन और फिटनैस के प्रति जागरूकता बढी। वी.सी.प्रो. सुदेश ने कहा कि योग हमारीनित्यप्रक्रिया में शामिलहोना जरूरी है। तन स्वस्थ होगा तो मन स्वस्थ होगा। कार्यक्रम के अंतिम दिवस पर डॉ. प्रिया धींगड़ा, डॉ. सुशील कुमार, डॉ. सरला, डॉ. मोनिका, डॉ. रीना, डॉ. पूनम आदि उपस्थित रहे।

लोक कला महोत्सव में खेली गई फूलों की होली



लोक कला महोत्सव में फूलों की होली खेलते हुए कलाकार। (अरोड़ा)

गोहाना, 8 फरवरी (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय में धर्म पुत्र कला मंच और छात्र कल्याण अधिष्ठाता के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 3 दिन का लोक कला उत्सव दूसरे दिन भी जारी रहा।

कार्यक्रम में 6 राज्यों के कलाकारों ने हिस्सा लिया जिसमें जम्मू से डोगरी, हिमाचल से नाटी,

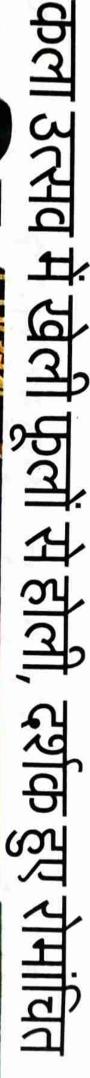
पंजाब से भांगड़ा, हरियाणा से फाग, महाराष्ट्र से लावणी और उत्तर प्रदेश के रास नृत्य प्रस्तुत किए गए। रासलीला से उत्तर प्रदेश के कलाकारों ने मंत्रमुग्ध कर दिया। विशेष आकर्षण लठमार होली और फूलों की होली रहे।

यह कार्यक्रम केंद्र सरकार के संस्कृति मंत्रालय की कला विकास योजना के अंतर्गत उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र पटियाला और हरियाणा कला परिषद के सहयोग से हो रहा है।

मुख्य अतिथि के रूप में पटियाला के उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के सहायक निदेशक रविंद्र शर्मा पहुंचे। महिला विश्वविद्यालय की ओर प्रो. श्वेता सिंह ने मुख्यातिथि को हरा पौधा तो धर्म पुत्र कला मंच के अध्यक्ष मनोज जाले ने शाल भेंट की।

आयोजन के लिए मार्गदर्शन मंच के नॉर्थ जोन के निदेशक फुरकान खान और हरियाणा कला परिषद के निदेशक नागेंद्र शर्मा का रहा।

कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ. श्रीलेखा चौबे ने किया। इस अवसर पर महिला विश्वविद्यालय से प्रो. श्वेता हुड्डा, डॉ कृतिका दिहया, डॉ. सुमन दलाल, डॉ. मोनिका तथा संस्कार भारती की गोहाना इकाई से से दीपक, हिमांशु, सुनील भी मौजूद रहे।





जागरण सवाददाता, गाहानाः विकास करता भूल सिंह महिला क्षेत्र विद्यालय खानपुर होरे करता में धर्म पुत्र से करता मंच और छात्र शां करता मंच और छात्र शां करता गया। दूसरे दिन श्वे मनाया गया। दूसरे दिन श्वे पंजाब के करताकारों ने गंगड़ा और विश्वित रोकर धूम मचाई। का नित्य की प्रस्तुति देकर धूम मचाई। का नित्य की प्रस्तुति देकर धूम मचाई। का नित्य की प्रस्तुति देकर धूम मचाई। का

छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. श्वेता सिंह ने कहा कि देश के विभिन प्रांतो की टीमों का महिला विश्वविद्यालय में होना लघु भारत का चित्रण कर रहा है। कलाकारों द्वारा अपने अपने प्रदेश की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए

मंत्रालय भारत सरकार की कला

विकास योजना के अंतर्गत उत्तर वे क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र पटियाला व वि हरियाणा कला परिषद के सहयोग अ से आयोजित किया जा रहा है। जे शनिवार को मुख्य अतिथि उत्तर म क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के सहायक व निदेशक रविंद्र शर्मा रहे।

ति उत्तर बेहतर प्रस्तुतियां दी। प्रो. श्वेत याला व सिंह ने मुख्य अतिथि रविंद्र शर्मा सहयोग और मंच के अध्यक्ष मनोज जाले रहा है। ने स्मृति चिन्ह व शाल भेंट की। थे उत्तर मनोज जाले ने कार्यक्रम के महत्व भारायक को बताया। नार्थ जोन के निदेशक सहायक को बताया। नार्थ जोन के निदेशक पुत्कान खान व हरियाणा कला प्रत्कान खान व हरियाणा कला प्रत्कान खान व हरियाणा कला परिषद के निदेशक नागेंद्र शर्मा भी देश के पहुंचे। कार्यक्रम में जम्मू से डोगरी, महिला हिमाचल से नाटी, पंजाब से महिला हिमाचल से नाटी, पंजाब से शादा, हरियाणा से फाग, महाराष्ट्र लाकारों से लावणी और उत्तरप्रदेश के रासलीला के लिए ने सबका मन मोह लिया।



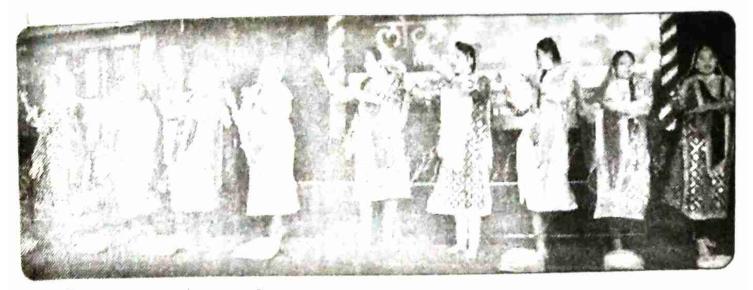
DR SHIVALIK YADAV NAMED REGISTRAR



Sonepat: Dr Shivalik Yadav has assumed the charge of Registrar of Bhagat Phool Singh Women's University (BPSMV), Khanpur Kalan. He was appointed the Registrar after orders by Governor and university Chancellor Bandaru Dattatreya. Dr Yadav — who was previously serving as Professor of Psychology, Dronacharya Government College, Gurugram — said the all-round development of BPSMV was his priority. Efforts would be made to take the university to new heights by faithfully discharging the responsibility given by the state government, he added. Vice-Chancellor Sudesh said the role of the Registrar was very special to take the university further on the path of development, and Dr Yadav's experience would definitely be important for the development of the university.

सूर्य नमस्कार अभियान के तहत छात्राओं को दी योग का नियमित अभ्यास करने की प्रेरणा

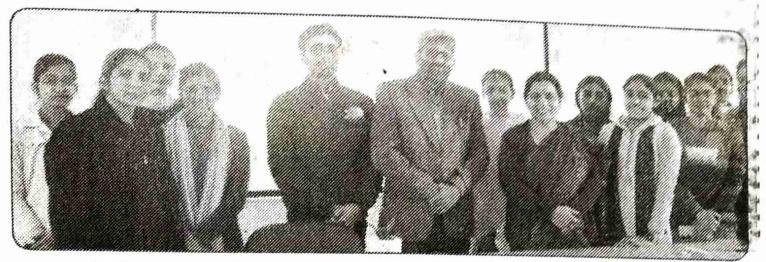
गोहाना, फरवरी (रामनिवास धीमान): गोहाना के गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में 3 फरवरी, 2025 से 8 फरवरी तक 'हर घर परिवार-सूर्य नमस्कार' अभियान के अंतर्गत, 'सूर्य नमस्कार अभियान-2025' का आयोजन किया गया जिसका संचालन डॉ. सुशील कुमार एवं उनकी टीम के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में आयुष विभाग, गोहाना से प्रोमिला कौर एवं श्रीमती नीलम ने योग प्रशिक्षकों का कार्यभार संभाला। प्रतिदिन योग प्रशिक्षकों श्रीमती प्रोमिला कौर एवं सहायक नीलम के मार्गदर्शन में छात्राओं ने सूर्य नमस्कार किया। इन सत्रों के माध्यम से छात्राओं को योग का नियमित अभ्यास करने की प्रेरणा दी। अपने संदेश में कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि योग केवल एक कार्यक्रम न होकर हमारी नित्य प्रक्रिया में शामिल होना जरूरी है।



कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए कलाकार।

लेक कला उत्सव कार्यक्रम का आगाज़

🛮 गोहाना, ८ फरवरी (रामनिवास धीमान): गोहाना के गांव खानपुर स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय व धर्मपुत्र कला मंच के संयुक्त तत्वाधान में संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के कला विकास योजना के अंतर्गत प्रायोजित व उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र पटियाला के सहयोग से तीन दिवसीय लोक कला उत्सव कार्यक्रम का आज आगाज हो गया है। कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने शिरकत की। भगत फूल सिंह को नमन से करते हुए कुलपति प्रो सुदेश ने कहा कि यह भूमि अमर बलिदानी भगत फूल सिंह की है। देश के विभिन प्रांतो की टीमों ने भाग लिया कलाकारों द्वारा अपने अपने प्रदेश की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए जो प्रस्तुति की जा रही है कुलपति ने सभी टीमों को बधाई देते हुए कहा कि यह संस्कृति एक्सचेंज का भी अवसर है। उद्घाटन अवसर पर प्रस्तुति में जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, महाराष्ट्र व उत्तर प्रदेश की टीम ने समा बांधा। उत्तर प्रदेश की टीम द्वारा प्रस्तुत रासलीला कार्यक्रम ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। मंच संचालन डॉ श्रीलेखा चौबे का रहा। इस अवसर पर कुलसचिव प्रो श्वेता हुडा, सहायक छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ कृत्तिका दिहया, डॉ सरला, डॉ मोनिका तथा धर्मपुत्र कला मंच के अध्यक्ष मनोज जाले भी मौजूद रहे।



छात्राओं के साथ प्रो. राजेश्वर प्रसाद मिश्र व डा. श्री लेखा चौबे

बीपीएस विश्वविद्यालय में विस्तृत व्याख्यान का आयोजन

गोहाना, 8 फरवरी (रामनिवास धीमान): गोहाना के गांव खानपुर कलां स्थित भक्त फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग में छात्राओं के ज्ञानवर्धन के लिए आज एक विस्तृत व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसमें कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रो. राजेश्वर प्रसाद मिश्र विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित हुए। विभागाध्यक्ष डॉ. श्रीलेखा चौबे ने मुख्य वक्ता का स्वागत एवं अभिनंदन किया प्रो राजेश्वर प्रसाद मिश्र ने स्नातकोत्तर (प्रथम वर्ष) की छात्राओं के लिए 'वैदिक साहित्य में आरण्यक एवं उपनिषद ग्रन्थों की उपयोगिता एवं महत्व' विषय पर व्याख्यान दिया। प्रो. मिश्र ने ब्राह्मण

ति

एवं आरण्यक ग्रन्थों का विषय वस्तु की दृष्टि से भेद पर भी प्रकाश डाला-एवं 'ब्रह्म' शब्द की विस्तार से व्याख्या की। उन्होंने अपने व्याख्यान में विद्या - अविद्या, सम्भृति-असम्भृति, यमराज नचिकेता आख्यान, आत्मा के स्वरूप एवं मृत्यु के रहस्य को बड़ी गहनता से स्पष्ट किया।भाषा एवं कला संकाय के अध्यक्ष डॉ. अशोकः वर्मा ने छात्राओं को प्राचीन भारतीय ग्रन्थों में वर्णित आर्य संस्कृति एवं उनमें निहित विशिष्ट ज्ञान को ग्रहणा* करने एवं व्यवहार में उसे उतारने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. सुदेश ने नव स्थापितं संस्कृत विभाग के लिए आठ विशिष्ट विद्वानों की समिति को मंजूरी दी है।